अभ्यास पत्रक

पाठ – अग्निपथ

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

अपठित गद्यांश प्रश्न (1 अंक प्रत्येक)

तू न थकेगा कभी, तू न थमेगा कभी, तू न मुड़ेगा कभी।
कर शपथ! कर शपथ! कर शपथ!
अग्निपथ! अग्निपथ! अग्निपथ!

1. उपर्युक्त पंक्तियों में कवि किससे शपथ लेने को कह रहा है?

उत्तर - .....
.....

2. 'अग्निपथ! अग्निपथ! अग्निपथ!' – इस पंक्ति में कौन-सी शैली अपनाई गई है??

उत्तर - .....
.....

3. इन पंक्तियों का मुख्य संदेश क्या है?

उत्तर - .....
.....

अभिकथन-तर्क प्रश्न और बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक प्रत्येक) सही विकल्प पर चिन्ह लगायें

4. अभिकथन (A): जीवन में थक कर रुक जाना चाहिए।
   तर्क (R): लगातार प्रयास करने से नुकसान होता है।
   (A) अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं और तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।
   (B) अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं, लेकिन तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता।
   (C) अभिकथन सही है, तर्क गलत है।
   (D) अभिकथन गलत है, तर्क सही है।
5. अभिकथन (A): 'अग्निपथ' कविता प्रेरणादायक है।
   तर्क (R): यह व्यक्ति को जीवन में दृढ़ निश्चय के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।
   (A) अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं और तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।
   (B) अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं, लेकिन तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता।
   (C) अभिकथन सही है, तर्क गलत है।
   (D) अभिकथन गलत है, तर्क सही है।
6. 'कर शपथ!' पंक्ति में किस भावना को व्यक्त किया गया है?
   a) डर b) प्रेरणा c) हानि d) क्रोध
7. कविता में किस मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी गई है?
   a) प्रेमपथ b) स्वप्नपथ c) अग्निपथ d) शांतिपथ
8. कवि किस बात पर जोर दे रहा है?
   a) पीछे मुड़ने पर b) साहस और संकल्प पर
   c) थकने पर d) रुकने पर
9. 'तू न थकेगा कभी' – इस कथन में कवि किसे संबोधित कर रहा है?
   a) समाज को b) बालकों को c) पाठक को d) स्वयं को
10. कविता का मुख्य उद्देश्य क्या है?
    a) मनोरंजन करना b) चेतावनी देना c) प्रेरित करना d) आलोचना करना

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक प्रत्येक)

11. 'कर शपथ!' पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

12. कविता में प्रयुक्त दो विशेषण लिखिए।

उत्तर - .....

.....

.....

13. 'अग्निपथ' शीर्षक की उपयुक्तता पर विचार व्यक्त कीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (किसी एक का उत्तर दीजिए - 4 अंक)

14. कवि ने इस कविता में कौन-कौन से जीवन मूल्यों को प्रस्तुत किया है?

या

कविता के भावात्मक पक्ष का विश्लेषण कीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

निबंधात्मक प्रश्न (5 अंक)

15. 'हमें कभी हार नहीं माननी चाहिए' – इस विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

उत्तर कुंजी

1. पाठक से
2. पुनरुक्ति अलंकार
3. कभी न रुकने और थकने का संदेश
4. d
5. a
6. b
7. c
8. b
9. c
10. c
11. 'कर शपथ!' का अर्थ है – अपने आप से दृढ़ निश्चय करना। इन पंक्तियों में कवि ने पाठक से आग्रह किया है कि वह जीवन के कठिन रास्ते पर चलने की शपथ ले और किसी भी परिस्थिति में पीछे न हटे।
12. – विकट पथ
    – अग्निपथ
13. 'अग्निपथ' शीर्षक कविता की भावना और संदेश को सारगर्भित रूप से प्रकट करता है। यह जीवन के संघर्षपूर्ण मार्ग का प्रतीक है, जिसमें दुख, कठिनाई और चुनौतियाँ हैं, लेकिन इन्हीं पर चलकर सफलता प्राप्त होती है। अतः यह शीर्षक अत्यंत उपयुक्त है।
14. कवि ने 'अग्निपथ' कविता में कई महत्वपूर्ण जीवन-मूल्यों को प्रस्तुत किया है, जैसे– **साहस**, **धैर्य**, **संकल्प**, **संघर्ष**, और **आत्मबल**। उन्होंने यह संदेश दिया है कि जीवन में चाहे कितनी भी कठिनाइयाँ क्यों न आएँ, हमें बिना डरे, बिना रुके आगे बढ़ते रहना चाहिए। यह कविता जीवन में आने वाले दुखों को स्वीकार कर उन्हें पार करने की प्रेरणा देती है।
15. **हमें कभी हार नहीं माननी चाहिए** – यह कथन जीवन की सच्चाई को दर्शाता है। जीवन में अनेक बार कठिन परिस्थितियाँ आती हैं, जब सफलता दूर प्रतीत होती है, लेकिन जो व्यक्ति साहस और आत्मविश्वास बनाए रखता है, वही अंततः विजय प्राप्त करता है। हार मान लेना दुर्बलों का काम है, जबकि विजेता वही होता है जो बार-बार असफल होने पर भी प्रयास करता रहे। जैसे महापुरुषों ने संघर्षों के बावजूद अपने लक्ष्य को प्राप्त किया, वैसे ही हमें भी कभी हार नहीं माननी चाहिए। निरंतर प्रयास ही सफलता की कुंजी है।